सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 100 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 14 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

बारिश ने धोई गुजरात की उम्मीदें, प्लेऑफ... 7 | चौथे चरण के बाद फिर शुरू होगा ... 3 | चुनाव फ्री और फेयर हुआ तो... 2

चार चरणों की वोटिंग के बाद विपक्ष का मोदी पर प्रहार

'नहीं कर पाएंगे दो सौ पार'

» टीएमसी बोली- बीजेपी 190 सीटों पर सिमट जाएगी
» अकाली दल ने भी कहा पीएम नहीं बन पाएंगे मोदी
» शिवसेना-यूबीटी का दावा महाराष्ट्र में खत्म हो जाएगी भाजपा
» बीजेपी बोली- विपक्ष का सपना मुंगेरी लाल वाला

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। चौथे चरण के मतदान समाप्त हो गये हैं। इसबार सबसे अधिक वोटिंग पश्चिम बंगाल में हुई है जबकि महाराष्ट्र में सबसे कम मतदान हुआ। हालांकि इस बार यूपी में पिछले चरणों की अपेक्षा मतदान प्रतिशत बढ़ा है। ये मतदान 2019 के बराबर बताया जा रहा है। इस बढ़े हुए मतदान से सभी सियासी दल व नेता खुश नजर आ रहे है। राजग व इंडिया गठबंधन की ओर से अपने-अपने पक्ष में ज्यादा वोटिंग होने की बात हो रही है।

वही टीएमसी, अकाली दल व शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट समेत कई दल कह रहे है कि इसबार मोदी का प्रधान मंत्री बनाना आसान नहीं होगा। कई विपक्षी नेता तो यह भी कह रहे हैं कि बीजेपी 200 अंदर सिमट जाएगी। उधर बीजेपी अब भी कह रही है कि राजग गठंबधन चार सौ के पार जा रही है, विपक्ष का सपना मुंगेरी लाल वाला होगा।

हम 400 सीटें पार करने जा रहे : जयंत चौधरी

पीएम मोदी के नामांकन में शामिल होने पहुंचे रालोद चीफ जयंत चौधरी ने कहा, वाराणसी के वोटरों के लिए विशेष पल है। हम सब लोगों के लिए खास पल है कि हम पीएम मोदी के नामांकन में शामिल हुए हैं. उन्हें बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं। लोगों के आशीर्वाद से हम 400 पार करने जा रहे हैं।

इंडिया गठबंधन को 315 से ज्यादा सीटें मिलेंगी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दीदी वहां(केंद्र में) इंडिया गठबंधन को पावर में लाएगी, हम यहां(पश्चिम बंगाल) से मदद करेंगे। हम सभी(पार्टी) को मिलाकर इंडिया गठबंधन ही जीतेगी। कल तक हमारे पास जो हिसाब है उसमें उन्हें(भाजपा) 190-195 सीटें और इंडिया गठबंधन को अब तक की संख्या में 315 सीटें मिलेंगी। मोदी नहीं आ रहे हैं। उत्तर 24 परगना में एक सभा को संबोधित करते हुए, टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि मैं एनआरसी की अनुमति नहीं दूंगी। असम में 19 लाख हिंदू बंगालियों के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। अगर वे मुझसे मेरे माता-पिता का प्रमाणपत्र मांगेंगे, तो मैं उनका जन्मदिन भी नहीं पता, सर्टिफिकेट कहां से लाऊंगा ? वे खुद नहीं लगाएंगे तो आप क्यों लगाओगे? नागरिकता (संशोधन) अधिनियम पर अपना विरोध दोहराया और इसे एक जाल बताया।

उत्तर भारत से साफ हो जाएगी भाजपा : सुखबीर

शरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने दावा किया कि बीजेपी केंद्र में इस बार सरकार नहीं बना पाएगी। सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि उत्तर भारत में बीजेपी का सफाया हो रहा है। वहीं मौजूदा राजनीति के हिसाब से महाराष्ट्र और बिहार में क्षेत्रीय दल मजबूत होकर उभरेंगे, शिअद प्रमुख ने बठिंडा में पत्रकारों से बात करते हुए यह दावा किया। सुखबीर सिंह बादल ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के भाषणों से संकेत मिलता है कि पार्टी घबराहट की स्थिति में है। वह अब एक विशेष समुदाय पर खुले तौर पर हमला कर रहे हैं और यहां तक कह रहे हैं कि मंगलसूत्र (महिलाओं से) छीन लिया जाएगा और दूसरों को दे दिया जाएगा। ऐसा पिछले 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ और न ही कभी होगा।

पीएम मोदी का विदाई वाला चुनाव है : राउत

शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह विदाई वाला चुनाव है। उन्होंने दावा कि इसबार बीजेपी दो सौ के पार नहीं पहुंच पाएगी। उन्होंने कहा मोदी इसबार पीएम नही बन पाएंगे। इसबार इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। महाराष्ट्र में इसबार इतिहास लिखा जाएगा। गौरतलब हो इससे पहले यूबीटी के नेता संजय राउत ने अपने बयान से नए विवाद को जन्म दे दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। राउत ने कहा कि हमने औरंगजेब को महाराष्ट्र में दफन किया था तो...। अहमदनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र में पैदा हुए थे और औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ। राउत ने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को उद्योगपति करार देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी गुजरात में ही पैदा हुए हैं। शिवसेना-यूबीटी नेता ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ, इसलिए महाराष्ट्र का अपना इतिहास है।

बाबा रामदेव को मिला 'सुप्रीम' समय

हमारा मकसद बस इतना लोग सतर्क रहें : शीर्ष अदालत

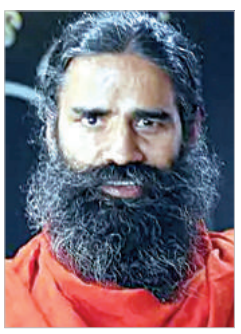

लोगों की बाबा रामदेव में आस्था है, उसे उन्हें सकारात्मक रूप से इस्तेमाल करना चाहिए। दुनिया भर में योगा को लेकर जो बढ़ावा मिला है उसमें एक योगदान बाबा रामदेव का भी है।

» कोर्ट ने हलफनामा दाखिल करने का दिया वक्त
» पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। भ्रामक दावों को लेकर पतंजलि के खिलाफ अवमानना मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई।

मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया दाखिल

» चार प्रस्तावक भी रहे साथ

4पीएम न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया। नामांकन से पहले पीएम ने दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजा की। उन्होंने काल भैरव मंदिर में आशीर्वाद लिया। राजनाथ सिंह-अमित शाह समेत कई नेता मौजूद रहे। इंडिया गठबंधन ने उनके खिलाफ अजय राय को उम्मीदवार बनाया।

पीएम मोदी 2014 से लगातार तीसरी बार वाराणसी से चुनाव लड़ रहे हैं। पीएम मोदी के नामांकन के वक्त सीएम योगी उनके पीछे बैठे नजर आए. पीएम मोदी के नामांकन में एनडीए के 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और तमाम बड़े बीजेपी नेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चार प्रस्तावक पंडित गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर हैं। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ही अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकाला था, ये ब्राह्मण समाज से हैं। बैजनाथ ओबीसी समाज से आते हैं और संघ के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं।

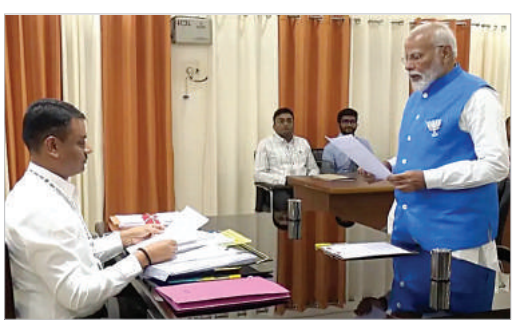

पीएम मोदी ने काशी के कोतवाल से लिया आशीर्वाद

पीएम मोदी काल भैरव मंदिर पहुंच गए हैं। यहां से वे नामांकन के लिए रवाना होंगे। पीएम मोदी के नामांकन में शामिल होने के लिए बीजेपी और एनडीए के तमाम नेता नामांकन स्थल पहुंच गए हैं।

राजनाथ सिंह, अमित शाह व योगी समेत कई नेता रहे मौजूद

पीएम मोदी के नामांकन के लिए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, सीएम योगी, एकनाथ शिंदे, चंद्रबाबू नायडू, संजय निषाद, ओम प्रकाश राजभर, हरदीप सिंह पुरी व अन्य नेता नामांकन स्थल पहुंच गए हैं।

चुनाव फ्री और फेयर हुआ तो भाजपा की सरकार नहीं बनेगी : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं - कोई भी जुमलेबाजी, नाटकबाजी और गांरटी काम नहीं आएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि यदि चुनाव फ्री और फेयर हुआ तो इस बार केंद्र में भाजपा की सरकार आसानी से नहीं बनेगी। कोई भी जुमलेबाजी, नाटकबाजी और गारंटी काम नहीं आएगी। सरोजनीनगर में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा में भाजपा और आरएसएस पर नमक के बदले वोट मांगने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन जनता के टैक्स के पैसों से दिया जा रहा है। वह अपनी जेब से आपको राशन नहीं दे रहे हैं। आप अपना नमक खा रहे हैं, भाजपा और आरएसएस का नहीं।

कहा- आप अपना नमक खा रहे, भाजपा और आरएसएस का नहीं

उन्होंने कहा कि केंद्र में बसपा की सरकार बनने पर अवध को अलग राज्य बनाया जाएगा, जिसमें लखनऊ भी शामिल होगा। बीते कई सालों से इसकी लगातार मांग की जा रही है। भाजपा सरकार पर दस साल से पूंजीपतियों और धन्नासेठों को मालामाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यही इनका संगठन चलाते हैं और चुनाव लड़वाते हैं। इलेक्टोरल बांड से यह साबित भी हो चुका है। बसपा को छोड़कर सभी दलों ने धन्नासेठों से पैसा लिया है। हमारी पार्टी संगठन चलाने और चुनाव लड़ने के लिए केवल कार्यकर्ताओं से थोड़ा पैसा लेती है।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी गलत नीतियों के कारण केंद्र और राज्यों की सत्ता से बाहर होना पड़ा। यही हालत उसके सहयोगी दलों की भी हुई। कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दुरुपयोग किया है। इनको केंद्र की सत्ता में आने से रोकना है। देश में गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई बढ़ रही है और भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ये दल साम, दाम, दंड, भेद अपनाकर सत्ता में आना चाहते हैं। आपको ओपिनियन पोल, सर्वे आदि से गुमराह नहीं होना है। किसी के लुभावने घोषणा पत्र के बहकावे में नहीं आना है। बसपा काम करने पर यकीन करती है, इसलिए कोई घोषणा पत्र जारी नहीं करती है। कहा, हमने अपनी सरकार में लखनऊ की पहचान को बदल दिया था। अब लोग यूपी आने पर लखनऊ जाने को बोलते हैं।

मुस्लिमों का उत्पीड़न बढ़ा

उन्होंने कहा कि केंद्र में बसपा सरकार बनने पर हिंदुत्व की आड़ में मुस्लिमों का द्वेष की भावना से किया जा रहा उत्पीड़न भी रोका जाएगा। कांग्रेस की तरह भाजपा की भी जातिवादी और सांप्रदायिक सोच है। यह दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, मुस्लिमों का विकास और उत्थान नहीं कर सके। सपा सरकार में तो अखिलेश यादव ने पदोन्नति में आरक्षण को ही खत्म कर दिया था। जब बसपा संसद में संशोधन बिल लाई तो सारी पार्टियों ने सपा को आगे करके एक सुर में विरोध किया। अब चुनाव में यही पार्टियां आरक्षण देने की बात कर रही हैं। ये चुनाव में खुद को दलितों का हितैषी बताते हैं, लेकिन सत्ता में आने पर उल्टा काम करते हैं।

केंद्र की सत्ता में आए तो अलग अवध राज्य बनाएंगे

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर में आयोजित चुनावी जनसभा में कहा कि केंद्र में बसपा सरकार बनने पर अलग अवध राज्य की स्थापना की जाएगी, जिसमें लखनऊ भी शामिल होगा।

स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में गरमाई सियासत

सीएम केजरीवाल पर लवली ने साधा निशाना, भाजपा हुई हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले के बाद दिल्ली में राजनीतिक बयानबाजी का सिलसिला जारी रहा। जहां आम आदमी पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा महिला विंग हमलावर नजर आई। अब

कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए अरविंदर सिंह लवली ने भी टिप्पणी की है।

भाजपा नेता अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि यदि यह घटना हुई है और स्वाति मालीवाल के साथ इस तरह बर्ताव किया गया है तो यह बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है। यह बहुत ही शर्मिंदगी की बात है कि यह पहली बार नहीं है। जिन्होंने दो दिन पहले देश को 10 गारंटी दी, अपने ही घर में लोगों की सुरक्षा की गारंटी नहीं दे पा रहे हैं।

मामले की जांच हो : सचदेवा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी पूरे मामले की संजीदगी से जांच की मांग की। उधर, आप ने पूरे मामले पर चुप्पी साध ली है। पार्टी ने इस मसले पर अब तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। भाजपा महिला मोर्चा ने इस मामले में मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग की। केजरीवाल के पूर्व सहयोगियों किरण बेदी, कपिल मिश्रा, शाजिया इल्मी, ऋचा पांडेय समेत दूसरे नेता भी हमलावर दिखे।

हार से डरे मोदी बार-बार आ रहे बिहार : तेजस्वी

हमारी सरकार केंद्र में बनी तो हम एक करोड़ युवाओं को नौकरी देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गोपालगंज में चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा निशाना साधा। राजद नेता यादव ने कहा कि बिहार में एनडीए चुनाव हार रही है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार बिहार आ रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अब तक 10-11 बार प्रधानमंत्री आ चुके हैं, लेकिन एक बार भी अपने कार्यकाल में बिहार के लिए किए गए कार्यों को नहीं बता रहे हैं। आने वाले पांच साल की सरकार में बिहार के लिए क्या करेंगे, ये भी नहीं बोल रहे हैं। 10 साल प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने बिहार के लिए क्या दिया है, इन सभी बातों पर वे कुछ नहीं बोल रहे हैं। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में एक दिन में तीन-तीन सभाएं कर रहें हैं। उन्हें पता चल गया है कि बिहार में एनडीए चुनाव हार रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हम जहां भी जनसभा करने जा रहें हैं, वहां अपने 17 महीने की सरकार में किए गए कार्यों को बता रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार केंद्र में बनी तो हम एक करोड़ युवाओं को नौकरी देंगे। गोपालगंज के सबेया में बंद पड़े एयरपोर्ट को चालू करेंगे। अग्निवीर की बहाली को हटाकर पहले की तरह बहाली करेंगे।

मतदाताओं को वोट देने से रोक रही भाजपा : अखिलेश

कहा - भाजपा के चुनावी घपलों की पोल खुल चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आगाह करते हुए कहा कि वह मतदान करने जा रही जनता के बीच में न आए। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को वोट डालने से रोकना भी अपराध है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा को चेतावनी है कि वो जनता के रास्ते में न आए। मतदाताओं को वोट डालने से रोकना भी एक अपराध है।

भाजपा सत्ता का दुरुपयोग करके लोगों को वोट डालने से रोकने का जो षड्यंत्र कर रही है, उसके बारे में जनता को पता चल गया है। भाजपाई असामाजिक तत्व की तरह हिंसा पर उतारू हैं। उन्होंने कहा, सपा के समर्थक हर जुल्म और हिंसा सहकर भी अपना वोट डालेंगे। कल जब कन्नौज और बाकी सभी सीटों पर लाखों लोग भाजपा को हराने निकलेंगे, तो देखते हैं कि भाजपा कितना दल-बल लगाकर कितनों को रोक पाती है। भाजपा के चुनावी घपलों की पोल खुल चुकी है, और भाजपा के अंदर आपस में ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा चुनाव बुरी तरह हार रही है। इसीलिए जो कुछ लोग डर या लालच की वजह से भाजपा का साथ दे भी रहे थे, वो भी जनता का आक्रोश देखकर पीछे हट गये हैं। कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जनता गुप्त तरह से अपराधी प्रवृत्ति के लोगों और बेईमान अधिकारियों के वीडियो और नाम-फोटो लेने को तैयार बैठी है। सरकार बदलते ही सबको चिन्हित करके, उन सबको उनके अपराध की सजा दी जाएगी। जनता की जान की दुश्मन बनी भाजपा सरकार का साथ देने वाले ऐसे लोग अपने ही लोगों को मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। उन्होंने मतदाताओं से कहा, बेखौफ वोट डालने बाहर आएं, और इंडिया गठबंधन के समाजवादी पार्टी, कांग्रेस व अन्य प्रत्याशियों को जिताएं।

चौथे चरण में खूब निकले वोटर

पिछले चुनाव के लगभग बराबर हुआ मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में उत्तर प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साह दिखाया। इस बार पिछले दो चरणों के मुकाबले बेहतर रहा। 13 सीटों पर 58.05 फीसदी मतदान हुआ। जबकि दूसरे चरण में 55.19 फीसदी और तीसरे चरण में 57.55 फीसदी वोटिंग हुई थी। इसके अलावा सोमवार को हुए मतदान में खीरी, धौरहरा और सीतापुर के मतदाता अव्वल रहे। जबकि कानपुर फिर फिसड्डी साबित हुआ। खीरी में सबसे ज्यादा 64.73, धौरहरा में 64.45, सीतापुर में 62.22 और कन्नौज में 61 प्रतिशत मतदान हुआ।

कानपुर में सबसे कम 53.06 फीसदी मतदान हुआ। मतदान वाले क्षेत्रों में पहले की चरणों जैसी तपिश नहीं रही। शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के साथ ही सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी और साक्षी महाराज समेत 130 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सोमवार को ईवीएम में बंद हो गया। इन सीटों पर वर्ष 2019 के लगभग बराबर ही औसत मतदान हुआ। पिछली बार इन सीटों पर औसत मतदान 58.75 फीसदी था। यूपी के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मतदान के दौरान गड़बड़ियों से संबंधित कुल 150 शिकायतें आईं। सबसे ज्यादा 70 शिकायतें कन्नौज से और सबसे कम एक शिकायत खीरी से आई। सभी में तत्काल उचित कार्रवाई की गई।

चौथे चरण के बाद फिर शुरू होगा सियासी रण

पांचवें दौर के लिए पार्टियों ने कसी कमर

राजनाथ-राहुल के भाग्य का फैसला 20 को

» कैसरगंज-रायबरेली में भाजपा की राह कठिन

» बृजभूषण के बेटे करण को मिल रही सपा से कड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चौथे चरण के मतदान के बाद पांचवे दौर की वोटिंग के लिए चुनावी विसात बिछना शुरू हो गया है। प्रचार अभियान भी अब फिर तेजी में आ जाएगा। एकबार फिर नेता अपनी-अपनी पार्टियों को गुणगान करेंगे। विपक्ष व सत्ता पक्ष में वार-पलटवार शुरू हो गए हैं। आने वालें चरणों में यूपी में लखनऊ, वाराणसी, रायबरेली, कैसरगंज जैसे हॉ सीटों पर सबकी नजर होगी। इन चरणों में देश के पीएम, रक्षामंत्री, विपक्ष के सबसे बड़े नेता राहुल के राजनैतिक भविष्य जनता ईवीएम में कैद करेगी। 4 जून को ही पता चलेगा कि जनता ने पीएम की बात मानी या राहुल की न्याय की गहमार सुनी। वहीं इन बचे हुए चुनावी चरणों में अभी सियासत के कई रंग लोगों को देखने को मिलेंगे।

कैसरगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें पयागपुर, कैसरगंज, कटरा बाजार, कर्नलगंज और तरबगंज सहित पांच विधानसभा सीटें शामिल हैं, में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। कैसरगंज सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। महीनों की अटकलों के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने आखिरकार कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र के लिए अपने उम्मीदवारों का खुलासा कर दिया है, जिससे उत्तर प्रदेश में एक गर्म चुनावी लड़ाई का मंच तैयार हो गया है। मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच बीजेपी ने उनके बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज से अपना उम्मीदवार बनाया है। यह कदम अतीत से एक महत्वपूर्ण प्रस्थान है, जहां बृजभूषण शरण सिंह का निर्वाचन क्षेत्र पर प्रभाव था। समाजवादी पार्टी ने एक रणनीतिक कदम उठाते हुए कैसरगंज लोकसभा सीट से रामभगत मिश्रा को अपना उम्मीदवार चुना है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सदस्य मिश्रा, जो बाद में भाजपा और बाद में सपा में शामिल हो गए, से भाजपा के उम्मीदवार के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश करने की उम्मीद है। विशेष रूप से, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने सबसे पहले कैसरगंज के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था, जिसमें नरेंद्र पांडे का नाम था। यह कदम मतदाताओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अपने पक्ष में करने के बसपा के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है, क्योंकि पार्टी का लक्ष्य आगामी चुनावों में अपनी छाप छोड़ना है। कैसरगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें पयागपुर, कैसरगंज, कटरा बाजार, कर्नलगंज और तरबगंज सहित पांच विधानसभा सीटें शामिल हैं, में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। कैसरगंज सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे 4 जून को घोषित किए जाएंगे। ऐतिहासिक रूप से, इस निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न दलों का बारी-बारी से वर्चस्व रहा है। 2014 और 2019 में पिछले दो लोकसभा चुनाव जीतने के बाद बीजेपी वर्तमान में गति का आनंद ले रही है। लोकसभा चुनाव 2019 में कैसरगंज सीट पर बीजेपी के बृजभूषण शरण सिंह ने 581358 वोट हासिल कर जीत हासिल की, जबकि बीएसपी के चंद्रदेव राम यादव के पक्ष में 319757 वोट पड़े। बृजभूषण शरण सिंह 261601 के भारी अंतर से जीते। कैसरगंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें पयागपुर, कैसरगंज, कटरा बाजार, कर्नलगंज और तरबगंज सहित पांच विधानसभा सीटें शामिल हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र एक ऐतिहासिक रहा है। यह किसी एक पार्टी का गढ़ है, क्योंकि इस सीट पर उन सभी के वर्चस्व की अपनी-अपनी समय सीमा है। 2014 और 2019 के पिछले दो लोकसभा चुनावों में जीत हासिल करने वाली बीजेपी के पास फिलहाल बढ़त है।

ओडिशा में नवीन व नरेंद्र एक हैं : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और बीजू जनता दल (बीजद) पर मिलीभगत का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव-प्रचार अभियान के लिए ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह शनिवार को ओडिशा में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा और बीजद पर निशाना साधते हुए रमेश ने कहा कि ओडिशा सरकार ने संसद में कई मौकों पर मोदी सरकार को बचाया है। कांग्रेस महासचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, न-वीन और न-रेंद्र एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। प्रधानमंत्री अपनी पार्टी और बीजद के बीच संबंध के बारे में झूठ क्यों बोल रहे हैं? उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में भाजपा और बीजद के बीच सीट बंटवारे की बातचीत से वही सामने आया जिसका पहले से अंदेशा था। रमेश ने कहा, आधिकारिक तौर पर विपक्ष में होने का दावा करने के बावजूद दोनों पार्टियां एक-दूसरे से मिली हुई हैं। बीजद ने भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव को राज्यसभा का सदस्य बनाने के लिए भी समर्थन दिया जिनके पास निर्वाचित होने के लिए पर्याप्त भाजपा विधायकों की संख्या नहीं थी। बदले में मोदी सरकार ने बीजद को ईडी-सीबीआई की पूछताछ और छापों से बचा रखा है, जो आम तौर पर विपक्षी दलों के साथ होता है। साथ ही राजभवन द्वारा कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाता है। क्या प्रधानमंत्री बीजद के साथ अपनी पार्टी के जुड़ाव को स्पष्ट करेंगे? यह शादी है या साझेदारी?" उन्होंने कहा," क्या प्रधानमंत्री अपनी पार्टी को विपक्ष में बिठाकर और सत्तारूढ़ बीजद के साथ मिलकर राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए माफ़ी मांगेंगे? कांग्रेस नेता ने पिछले साल बालासोर ट्रेन दुर्घटना का भी जिक्र करते हुए सरकार पर उसके बाद कोई सुधारात्मक कदम न उठाने का आरोप लगाया।

पिछले चुनाव में चौथे चरण में था क्षेत्रीय दलों का दबदबा

वहीं चौथे चरण की 96 में से 35 सीटें ऐसी हैं, जिसे 2019 के चरण में उन दलों ने जीत दर्ज की थी, जो इस समय न तो एनडीए का हिस्सा हैं और न ही इंडिया गठबंधन का इनमें से 22 सीटें आंध्र प्रदेश में सरकार चला रही वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने जीती थीं। वहीं तेलंगाना की बीआरएस ने नौ सीटें जीती थीं। ओडिशा में दो सीटें बीजू जनता दल और दो सीटें एआईएमआईएम ने जीती थीं। इनमें से एक सीट तेलंगाना और एक सीट महाराष्ट्र में है। वहीं जम्मू कश्मीर की श्रीनगर सीट पर भी चौथे चरण में मतदान हो रहा है. इस सीट पर 2019 के बाद से परिसीमन कराया गया है। इसमें शोपियां और पुलवामा जिलों की छह सीटों को शामिल किया गया है तो बडगाम जिले की दो विधानसभा सीटों को इससे हटाया गया है। इस तरह कह सकते हैं कि इस सीट पर पहली बार मतदान हो रहा है। हालांकि इस सीट पर पहले नेशनल कांफ्रेंस का दबदबा रहा है।

चौथे चरण में इंडिया गठबंधन को फिर मिलेगी मजबूती!

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 लोकसभा सीट पर मतदान था। इस चरण में सपा प्रमुख अखिलेश यादव , केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा , कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जैसे प्रमुख नेताओं की चुनावी किस्मत का फैसला होना है, जिन 96 सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से 49 सीटें 2019 के चुनाव में भाजपाके नेतृत्व वाले एनडीए ने जीती थी.वहीं 11 सीटें इंडिया गठबंधन के दलों के खाते में गई थीं। वहीं इनमें से 35 सीटें ऐसी थीं, जो उन दलों ने जीती थीं, जो किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। इस चरण में उत्तर प्रदेश की जिन 13 सीटों पर मतदान हो रहा है, वो सभी सीटें 2019 में एनडीए ने जीती थीं। इसी तरह महाराष्ट्र की 11 में से आठ, मध्य प्रदेश की सभी आठ, बिहार की सभी पांच, तेलंगाना की 17 में से चार, झारखंड की चार में से एक, पश्चिम बंगाल की आठ में से तीन, आंध्र प्रदेश की 25 में से तीन और ओडिशा की चार में से एक सीट बीजेपी और उसके सहयोगियों ने जीती थीं। इस चरण में बीजेपी और उसके सहयोगियों को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बढ़त मिलने की उम्मीद है। इस बार बीजेपी ने आंध्र प्रदेश में तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) और अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना से समझौता किया है. बीजेपी ने 2019 का चुनाव अकेले लड़ा था, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली थी. वहीं टीडीपी ने तीन सीटें जीती थीं। वहीं तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के कमजोर होने का फायदा बीजेपी को मिल सकता है. लेकिन कांग्रेस ने तेलंगाना में जबरदस्त वापसी भी की है. ऐसे में वहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी में हो सकता है। तेलंगाना में मुकाबला कांग्रेस सरकार की गारंटी बनाम मोदी की गारंटी के बीच है। इंडिया गठबंधन चौथे चरण में तेलंगाना, महाराष्ट्र और बिहार में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को हराकर राज्य की सत्ता हथियाई है। कांग्रेस ने उन गारंटियों को लागू किया है, जिसे उसने विधानसभा चुनाव में उसने वादा किया था। वहां महाराष्ट्र में शिव सेना और एनसीपी में हुई टूट के बाद पैदा हुई सहानुभूति लहर का फायदा इंडिया गठबंधन उठा सकता है। वहीं बिहार में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की सभाओं में जितनी भीड़ आ रही है और वो जिस तरह से रोजगार को मुद्दा बना रहे हैं, उसका फायदा इंडिया गठबंधन को वहां इस चरण में मिल सकता है।

रायबरेली में मनोज के सहारे अमित शाह

लोकसभा चुनाव की गहमा-गहमी के बीच अमित शाह समाजवादी पार्टी की बागी विधायक मनोज पांडेय के आवास पर पहुंचे और उनके मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ बीजेपी प्रत्याशी दिनेश सिंह भी मौजूद रहे। सपा विधायक से अमित शाह की मुलाक़ात को लेकर कयास तेज हो गए हैं इसे ब्राह्मण वोटरों को रिझाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। अमित शाह रविवार को ऊंचाहार से सपा के बागी विधायक मनोज पांडे के घर पहुंचे जहां सपा विधायक ने उनका स्वागत किया। अमित शाह उनके घर क़रीब 15 मिनट तक रहे। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें मनोज पांडे उनके साथ बैठे दिख रहे हैं. इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन का आग्रह किया है। रायबरेली सीट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने यहां से दिनेश सिंह को उम्मीदवार बनाया हैं। बीजेपी लगातार रायबरेली सीट पर भी जीत का दावा कर रही है और इसे जीतने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। मनोज पांडे से मुलाक़ात को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। रायबरेली के ब्राह्मण वोटरों में उनकी खासी पैठ माना जाती है. इसका असर ब्राह्मण पर भी देखने को मिल सकता है। मनोज पांडे सपा के कद्दावर नेता माने जाते थे लेकिन, पिछले दिनों यूपी में दस सीटों के लिए हुए राज्यसभा चुनाव में उन्होंने सपा के विरुद्ध जाकर बीजेपी के पक्ष में वोट दिया था और मुख्य सचेतक पद से भी इस्तीफ़ा दे दिया था। इसके बाद से ही उनके भाजपा के साथ जाने के कयास लगाए जा रहे थे. इस बीच बीजेपी के शीर्षस्थ नेताओं से उनकी मुलाकात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। रायबरेली लोकसभा सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को वोटिंग होनी है। राहुल गांधी के यहां से मैदान में उतरने से बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुक़ाबला कड़ा हो गया है। रायबरेली सीट कांग्रेस का गढ़ रही है, ऐसे में सबकी नजरें इस सीट पर टिकी है कि क्या बीजेपी कांग्रेस के इस किले को भेद पाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति से छेड़खानी पड़ सकती है भारी!

दरअसल, एक तरफ जहां दुनिया के कई देश तेज गर्मी से जूझ रहे हैं, तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) बाढ़ की स्थिति झेल रहा है। जहां दुबई के लोग बादल देखते तक के लिए तरसते थे, उसी देश में बारिश से लोग परेशान हैं। दुबई में एक दिन में एक साल जितनी बारिश दर्ज की गई है। दुबई में एकाएक हुई इस बारिश से हाहाकार मच गया।

पूरी दुनिया में जब-जब बर्षा की कमी का अंदेशा होता है आज के समय में कृत्रिम बारिश करा लिया जाता है। जिसे आम बोलचाल की भाषा में क्लाउड सीडिंग कहते हैं। यह प्रक्रिया जहां फायदेमंद है वहीं इसकी वजह से नुकसान भी हो जाता है। अभी पिछले महीने क्लाउड सीडिंग की वजह से दुबई में बारिश तो हुई पर वह इतनी तेज हो गई कि पूरे शहर में बाढ़ से हालात हो गए और चारो ओर तबाही मच गई। ऐसे में वैज्ञानिकों इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि प्रकृति के साथ छेड़खानी कितनी जायज है। इससे पहले भी भारत में उत्तराखंड में व बिहार में कोसी का कहर लोग देख चुके हैं। दरअसल, एक तरफ जहां दुनिया के कई देश तेज गर्मी से जूझ रहे हैं, तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) बाढ़ की स्थिति झेल रहा है। जहां दुबई के लोग बादल देखते तक के लिए तरसते थे, उसी देश में बारिश से लोग परेशान हैं। दुबई में एक दिन में एक साल जितनी बारिश दर्ज की गई है।

दुबई में एकाएक हुई इस बारिश से हाहाकार मच गया। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि बड़ी-बड़ी बिल्डिंग पानी में डूबी है और कारें पानी में तैर रही हैं। दुबई में 142 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि यहां सालभर में औसतन 95 मिलीमीटर बारिश ही हो पाती है। यूएई में हुई भारी बारिश की एक वजह क्लाउड सीडिंग भी हो सकती है। हालांकि यूएई सरकार ने क्लाउड सीडिंग से इनकार किया है। क्लाउड सीडिंग एक आर्टिफिशियल बारिश कराने का एक तरीका है। इसमें सिल्वर आयोडाइड या ड्राई आइस को हवाई जहाज की मदद से बादलों पर छोड़ा जाता है। इसमें छोटे कणों को बादलों के बहाव के साथ छिड़क दिया जाता है। ये कण हवा से नमी को सोखते हैं और इसके बाद वो कंडेंस होकर इसके द्रव्यमान को बढ़ा देते हैं। इसके बाद बादलों से बारिश की मोटी बूंदे बनती हैं और बरसने लगती हैं। क्लाउड सीडिंग की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के बाथुर्स्ट स्थित जनरल इलेक्ट्रिक लैब में फरवरी 1947 में हुआ था। यहीं इसका प्रदर्शन किया गया। इसके बाद कई देशों ने इसका इस्तेमाल किया। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 1940 के दशक में इसका इस्तेमाल किया गया था। वहीं, इसके बाद चीन और कई और देशों ने इसका इस्तेमाल किया। 1952 में भारत में इसका पहली बार परीक्षण किया गया। वहीं, 1984 में तमिलनाडु में इसका पहली बार प्रयोग किया गया। इसके बाद आंध्र प्रदेश में भी इसका इस्तेमाल किया गया। ऐसे प्रयोगों का परिणाम घातक हो सकता है इसलिए इनके प्रयोग में सावधानी बरती जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

निर्यात में विविधता से चुनौतियों का मुकाबला

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 4 मई से सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। यह फैसला देश में प्याज के मौजूदा रबी पैदावार के अच्छे होने और बेहतर मानसून की वजह से इस वर्ष खरीफ के दौरान भी बढ़िया पैदावार की संभावना को देखते हुए किया गया है। सरकार ने प्याज निर्यात की न्यूनतम कीमत 550 डॉलर प्रति टन तय की है और इस पर 40 फीसदी का निर्यात शुल्क भी लगेगा। इस फैसले की वजह से देश में प्याज की पैदावार करने वाले किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष दिसंबर, 2023 में केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 के खरीफ पैदावार की स्थिति को देखते हुए प्याज निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था। इसका असर घरेलू बाजार में खास तौर पर दिखा है। इस दौरान देश में प्याज की कीमतें अमूमन स्थिर रही हैं।

चूंकि वर्ष 2023-24 में 2.55 करोड़ टन प्याज उत्पादन की संभावना है। जो देश की मांग और निर्यात मांग को देखते हुए पर्याप्त है। अभी निर्यात प्रतिबंधित होने के बावजूद बांग्लादेश, भूटान, यूएई, श्रीलंका आदि को कुछ मात्रा में प्याज की आपूर्ति की गई है। निश्चित रूप से प्याज निर्यात से प्याज उत्पादक किसानों को लाभ होगा। दरअसल, घटते हुए वैश्विक व्यापार और घटते हुए वैश्विक निर्यात के बीच भारत से निर्यात के सूझबूझपूर्ण निर्णय लिए जाने होंगे। यद्यपि भारत से पिछले कुछ वर्षों में लगातार रिकॉर्ड निर्यात हुए हैं, लेकिन अब भीषण होते हुए इस्राइल-ईरान टकराव से गहराती हुई नई वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बीच भारत को निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने की विशेष रणनीति के साथ आगे आना होगा। खासतौर से हाल ही में 28 अप्रैल को प्रकाशित आर्थिक टैंक ग्लोबल ट्रेड एंड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के वस्तु आयात में चीन की जो हिस्सेदारी बढ़कर 30 फीसदी के चिंताजनक स्तर पर पहुंचते हुए 101 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गई है, उसे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों से नियंत्रित करना होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में गत वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

के साथ 339.62 अरब डॉलर का रहा, जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 437.06 अरब डॉलर रहा। जहां पिछले वर्ष में कुल आयात 854.80 अरब डॉलर का रहा, वहीं वर्ष 22-23 में कुल आयात 898 अरब डॉलर मूल्य का रहा था। ऐसे में पिछले वर्ष आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष में आयात में गिरावट की बड़ी वजह तेल का कम आयात था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से बीते वर्ष में तेल के आयात पर करीब 16 फीसदी कम खर्च हुआ। निश्चित रूप से बीते कुछ वर्षों में भारत के निर्यात का एक चमकदार पहलू सेवा निर्यात है। भारत डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी गयी सेवाओं के निर्यात में वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। डिजिटल माध्यम से सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ द्वारा दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात बढ़ रहा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2015-16 से लगाकर वर्ष 2022-23 के बीच भारत में जीसीसी की संख्या 60 फीसदी बढ़कर 1,600 से अधिक हो गई है। विश्व व्यापार संगठन की रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल माध्यम से जुड़ी हुई सेवाओं के तेजी से बढ़ते निर्यात के कारण इस क्षेत्र में भारत जर्मनी और चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड के बाद चौथे क्रम पर आ गया है। इस समय भारत के प्रमुख निर्यात बाजारों में अमेरिका, यूएई, यूरोपीयन यूनियन, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, चीन व जर्मनी शामिल हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत से दवाओं का निर्यात 2023-24 में 27.9 अरब डॉलर पहुंच गया है। 2022-23 के दौरान यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। सरकार द्वारा प्रमुख दवा सामग्री और जेनेरिक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए जो दो उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की गई हैं, उनका लाभ दवा निर्यात में मिलने लगा है। आईफोन के निर्यात में भी भारत उभरकर दिखाई दे रहा है। आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने पिछले वर्ष में भारत से 10 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया।

राष्ट्रीय अस्मिता को सींचने का प्रथम उद्घोष

प्रेम सिंह

ब्रिटिश शासकों, इतिहासकारों, अध्येताओं, लेखकों, लोकगीतकारों ने 10 मई, 1857 को मेरठ से शुरू हुए सिपाही विद्रोह को कई नामों से उल्लेखित किया है। नामों की यह विविधता विद्रोह के प्रति लोगों के अलग-अलग नजरियों को दर्शाती है। नजारियों की जंग में विद्रोह को अपमानजनक संबोधन 'गदर' से लेकर 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' तक बताया गया है। हालांकि, अंग्रेजों द्वारा अपमानजनक सम्बोधन के रूप में प्रयुक्त किया गया गदर शब्द आगे चल कर भारतीयों के लिए सम्मानजनक अर्थ ग्रहण कर लेता है। भारतीय क्रांतिकारियों द्वारा अमेरिका में 1913 में गठित संगठन का नाम गदर रखा गया। अपने मुखपत्र का नाम भी उन्होंने 'गदर' रखा। सन् 1857 के विद्रोह पर करीब 75 साल बाद लिखे गए पहले हिंदी उपन्यास का शीर्षक भी 'गदर' है। अमृतलाल नागर ने विद्रोह संबंधी ब्योरे एकत्रित किए तो उस पुस्तक का नाम 'गदर के फूल' रखा।

नोमन्क्लेचर के अलावा इस विद्रोह के चरित्र को लेकर भी कई धारणाएं मिलती हैं। उसे 'सामंती' से लेकर 'जनवादी' तक कहा जाता है। विद्रोह में मारे गए लोगों की संख्या के बारे में भी कई दावे मिलते हैं। ब्रिटिश रेकॉर्ड्स में विद्रोह में मारे जाने वाले अंग्रेजों - बच्चों और महिलाओं समेत- का आंकड़ा 6000 के करीब है। विद्रोह के दमन के दौरान और दमन के बाद अंग्रेजों द्वारा की गई बदले की कार्रवाई में मारे जाने वाले भारतीय पक्ष के लोगों की संख्या 8 लाख से 30 लाख तक बताई जाती है। इसमें विद्रोह से जुड़े अकाल और महामारी में मारे जाने वाले भारतीयों की संख्या को भी शामिल किया जाता है। विद्रोह के इतिहासकारों, उससे जुड़ी विभिन्ना घटनाओं और पात्रों पर आधारित संस्मरण एवं कथात्मक विवरण लिखने वाले लेखकों के लेखन में सभ्य-असभ्य और क्रूर-क्रांतिकारी का परस्पर विरोधी विमर्श भी मिलता है। वर्ष 1857 के विद्रोह के मूल में महज धार्मिक अस्मिता का प्रश्न था या विद्रोह मूलत: राष्ट्रीयता के विचार से परिचालित था- यह सवाल भी खासा विवादास्पद रहा है।

कहने का आशय यह है कि 1857 के विद्रोह के विविध पहलुओं पर प्रस्तुत किए गए तर्कों-प्रतितर्कों की एक पूरी दुनिया हमारे सामने मौजूद है। विद्रोह की 167वीं वर्षगांठ पर लिखी गई इस टिप्पणी में क्रांतिकारियों के 'झंडा सलामी गीत' के माध्यम से यह जानने की कोशिश की गई है कि क्या विद्रोह के मूल में पराधीनता की पीड़ा से पैदा हुआ राष्ट्रीयता का विचार था। दरअसल, राष्ट्रीयता का विचार एक सीधा और सरल विचार कभी नहीं रहा है। युग-विशेष, युगीन परिस्थितियां, सामाजिक ताना-बाना आदि कारक राष्ट्रीयता के विचार को एक जटिल, और कई बार अंतर्विरोधपूर्ण विचार बनाते हैं। 1857 के विद्रोह के मूल में स्थित राष्ट्रीयता के विचार को भी इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। 'झंडा सलामी गीत' अथवा कौमी तराना 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख पात्र अजीमुल्ला खान यूसुफजई ने लिखा था, और दिल्ली के 'पयाम-ए-आजादी' नामक दैनिक पत्र में प्रकाशित हुआ था।

फरवरी, 1857 में शुरू किए गए इस उर्दू-हिंदी पत्र के प्रकाशक अजीमुल्ला खान और मुख्य संपादक बादशाह बहादुर शाह जफर के पोते मिर्जा बेदार बख्त थे। क्योंकि उनके दीवान अजीमुल्ला खान फरवरी, 1857 में एक फ्रेंच प्रिंटिंग प्रेस लेकर भारत आए थे, जिस पर यह पत्र छापा जाता था)। सितंबर, 1857 से यह पत्र मराठी में झांसी से भी प्रकाशित हुआ। बादशाह जफर का प्रसिद्ध 'पेंफलेट' 'पयाम-ए-आजादी' में ही प्रकाशित हुआ था। पूरे उत्तर भारत में तेजी से इस पत्र का प्रसार फैल गया था। 29 मई, 1857 को पत्र ने विद्रोह को अपना समर्थन घोषित कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने 'देशद्रोह' के आरोप में पत्र के प्रकाशन पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। बेदार बख्त को फांसी दे दी गई। अजीमुल्ला खान के बारे में माना जाता है कि वे कानपुर की पराजय के बाद नाना साहिब के साथ नेपाल की सीमा की ओर निकल गए थे, जहां 28 वर्ष की आयु में बीमारी से उनकी मौत हो गई। कानपुर निवासी अजीमुल्ला खान न सिपाही थे न सामंत। वे अत्यंत साधारण सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से थे। उनके मिस्त्री पिता का निधन हो चुका था। वर्ष 1837-38 के अकाल में अपनी माता के साथ वे संयोग से जीवित बच पाए थे। बाद में माता का भी निधन हो गया। उन्होंने अनाथालय में रह कर और एक अंग्रेज के घर में काम करते हुए शिक्षा प्राप्त की। वे पहले कई अंग्रेजों के सचिव बने, और फिर नाना साहिब के दीवान का पद सम्हाला। नाना साहिब ने बहुभाषाविद (उन्हें अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, फारसी और संस्कृत भाषाएं आती थीं) और कुशाग्र-बुद्धि अजीमुल्ला खान को प्रधानमंत्री के पद पर प्रोन्नत किया।

ऐसा माना जाता है कि आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी अजीमुल्ला खान अपने इंग्लैंड प्रवास के दौरान नाना साहिब की पेंशन तो बहाल नहीं करा पाए, लेकिन ब्रिटिश आधिपत्य से भारत को मुक्त कराने का विचार और दृढ़ इरादा लेकर भारत लौटे। ब्रिटिश साम्राज्य अजेय है, यह मिथक उन्होंने अपनी आंखों से टूटता हुआ देखा। क्रीमिया युद्ध में इंग्लैंड और फ्रांस की संयुक्त सेनाओं को रूस की सेना ने पराजित कर दिया है। अजीमुल्ला खान नवजागरण की चेतना के दायरे के बाहर की गई देश की स्वाधीनता की चिंता और प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते प्रतीत होते हैं। हम ओज के 'झंडा सलामी गीत' की व्याख्या करें तो पाते हैं कि इसमें ब्रिटिश आधिपत्य को भारत की राष्ट्रीय पराधीनता के रूप में चिन्हित किया गया है।

गर्मियों में लू से बचाती है कच्चे आम की चटनी

कच्चा आम कच्चे आम की तासीर ठंडी होती है। जिस वजह से यह पेट की गर्मी को शांत रखता है और तो और ब्लड शुगर भी कंट्रोल करता है। इसे खाने से लू से भी बचाव होता है और शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है। इतने सारे फायदे हैं इसे खाने के, तो आइए जानते हैं कच्चे आम की चटनी बनाने का आसान तरीका।

गर्मी के मौसम में मिलने वाली बहुत सी सब्जियां लोगों को पसंद नहीं आती, जिस वजह से रोजाना वही एक चीज़ खानी पड़ती है और इस वजह से खाने में वैराइटी ही नजर नहीं आती, लेकिन जरूरी नहीं कि हर बार लंच या डिनर में आप सब्जी ही बनाएं। इस मौसम में आप चटनी को भी सब्जी की जगह कर सकते हैं इस्तेमाल। गर्मियों में मिलने वाले आम से आप कई तरह की डिशेज बना सकते हैं जिसमें से एक है चटनी। जो खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही पेट को भी ठंडा रखती है। कच्चा आम गर्मियों का सुपरफूड माना जाता है। हर तरह से ये शरीर के लिए लाभकारी होता है। गर्मियों में लू से भी बचाती है कच्चे आम की चटनी। इसे आप लंच या डिनर में साइड डिश के रूप में सर्व कर सकते हैं। कच्चे आम को आप ऐसे ही या फिर पना या चटनी के रूप में भी खा सकते हैं।

सामग्री

दो मीडियम साइज के कच्चे आम, 250 ग्राम पुदीना की पत्तियां, एक टेबलस्पून धनिया की पत्ती, 4 हरी मिर्च, नमक- एक चौथाई टीस्पून, काला नमक- एक चौथाई टीस्पून, चीनी- एक टीस्पून।

ऐसे बनाएं चटनी

सबसे पहले आम को छील लें। गूदे को काटकर निकाल लें। हरी मिर्च को भी काट लें। चटनी पीसने से लगभग 10 मिनट पहले पुदीना और धनिया पत्ती को पानी में कुछ देर के लिए भिगो लें। फिर इन्हें काट लें। मिक्सी में कच्चा आम, हरी मिर्च, पुदीना पत्ती, धनिया पत्ती डाल दें। चीनी और नमक डालें। थोड़ा सा पानी डालकर अच्छे से पीस लें। तैयार है आम-पुदीने की खट्टी-मीठी चटनी। किसी भी चटनी को थोड़ा ही मात्रा में बनाएं। फ्रीज में ज्यादा दिनों तक स्टोर करने पर इसका स्वाद बदलने लगता है और बाहर रखने की गलती तो बिल्कुल भी न करें।

खिचड़ी के साथ बनाएं रायता

समय बीतने के साथ-साथ गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत के कई शहरों का तापमान 40 डिग्री के पार जाता अभी से दिखाई दे रहा है। लगातार बढ़ती इस गर्मी की वजह से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। वैसे तो ज्यादातर लोग गर्मी के मौसम में घर से बाहर निकलने से बचते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को काम की वजह से बाहर जाना ही पड़ता है। ऐसे में कई बार तबियत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। इस गर्मी में चलने वाली लू-लपट की वजह से पेट खराब होना बेहद आम बात है। अगर आप भी गर्मी से परेशान हैं और आपका पेट भी दिक्कत करने लगा है तो एक-दो दिन कुछ हैवी खाना खाने की जगह खिचड़ी बनाकर खाएं। इसे आप रायते के साथ खा सकते हैं।

सामान

1 कप चावल और मूंग दाल (मिलाकर), 5 कप पानी, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, नमक आवश्यकतानुसार, 1 चम्मच जीरा, 1 टी स्पून हींग, 3 बड़े चम्मच घी

विधि

खिचड़ी बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सबसे पहले मूंग की दाल और चावलों को एक साथ अच्छे से धोकर भिगो दें। इसे तकरीबन 40 मिनट के लिए भिगोकर रखें। जब ये सही से भीग जाए तो एक कुकर में घी गर्म करें। घी जब गर्म हो जाए तो इसमें जीरा, हल्दी और हींग डालें। जब मसाले भुन जाएं तो इसमें भिगोकर रखे हुए दाल-चावल डाल दें। इसके बाद इसमें नाप कर पानी डालें और सबसे आखिर में नमक डालें। सही से नमक मिक्स करने के बाद कुकर का ढक्कन बंद कर दें और 5-6 सीटी आने दें। 6 सीटी आने के बाद गैस बंद करके कुकर साइड में रख दें और फिर इसकी भाप निकलने दें। भाप निकल जाने के बाद कुकर का ढक्कन खोलें और फिर इसे सजाने के लिए ऊपर से धनिया पत्ती डाल दें। इसे आप राहते के साथ परोस सकते हैं। पेट खराब होने पर रायता भी शरीर के लिए फायदेमंद होता है।

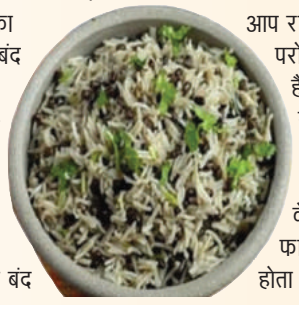

हंसना मना है

अर्थी से मुर्दा भी उस वक्त खड़ा हो गया.... जब...पीछे से रोती हुई पत्नी बोली कि... मैंने कभी भी उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी....!!!

पति - डॉक्टर ने चाय फीकी पीने को कहा है। पत्नी - अलग-अलग चाय नहीं बनाऊंगी, लड्डू खा कर पी लेना, फीकी लगेगी....!!! पति बेहोश...

एक सर्वे में पुरुषों से पूछा गया...क्या 40 के बाद गर्लफ्रेंड रखनी चाहिए? 97 प्रतिशत पुरुषों का कहना था- नहीं, 40 गर्लफ्रेंड काफी होती हैं...!!

लड़का- शादी कर ले मुझसे! लड़की- क्यों? लड़का- मेरा बाप गांव का सबसे बड़ा आदमी है! शादी के बाद लड़की को पता चला कि लड़के का बाप 105 साल का है..!!!

पत्नी- फोन पर इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति- बहन है! पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किस लिए? पति- तेरी है इसलिए! फिर बीवी ने कुछ ऐसा किया जिसके कारण चार दिन तक पति की आवाज सुनाई नहीं दी।

कहानी — दानवीर कर्ण

महाभारत की कथा में कई महान चरित्रों का जिक्र है। उन्हीं में से एक थे दानवीर कर्ण। श्रीकृष्ण हमेशा कर्ण की दानवीरता की प्रशंसा करते थे। वहीं, अर्जुन और युधिष्ठिर भी दान-पुण्य करते रहते थे, लेकिन श्रीकृष्ण कभी उनकी प्रशंसा नहीं करते थे। एक दिन अर्जुन ने श्रीकृष्ण से इसका कारण पूछा। श्रीकृष्ण बोले, समय आने पर वह यह साबित कर देंगे कि सबसे बड़ा दानवीर सूर्यपुत्र कर्ण है। कुछ दिनों के बाद एक ब्राह्मण अर्जुन के महल में आया। उसने बताया कि पत्नी की मृत्यु हो गई है। उसके दाह संस्कार के लिए उन्हें चन्दन की लकड़ियों की जरूरत है। ब्राह्मण ने अर्जुन से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। अर्जुन ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि राजकोष से चन्दन की लकड़ियों का इंतजाम किया जाए, लेकिन उस दिन न तो राजकोष में चंदन की लकड़ियां मिली और न ही पूरे राज्य में। अर्जुन ने ब्राह्मण से कहा, आप मुझे क्षमा करें, मैं आपके लिए चंदन की लकड़ी का इंतजाम नहीं कर सका। श्रीकृष्ण इस पूरी घटना को देख रहे थे। उन्होंने ब्राह्मण से कहा, आपको एक जगह चंदन की लकड़ियां जरूर मिलेगी, आप मेरे साथ चलिए। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भी अपने साथ ले लिया। श्रीकृष्ण और अर्जुन ने ब्राह्मण का वेश बनाया और उस ब्राह्मण के साथ कर्ण के दरबार में पहुंचे। वहां भी ब्राह्मण ने कर्ण से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। कर्ण ने अपनी मंत्री से चंदन की लकड़ी का इंतजाम करने को कहा। थोड़े समय बाद कर्ण के मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में कहीं चंदन की लकड़ी नहीं मिली। इस पर कर्ण ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि उसके महल में चंदन के खंभे हैं, उन्हें तोड़कर ब्राह्मण को दान दिया जाए। मंत्री ने ऐसा ही किया। ब्राह्मण चंदन की लकड़ी लेकर अपनी पत्नी के दाह संस्कार के लिए चला गया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, देखो तुम्हारे महल के खंभों में भी चन्दन की लकड़ी लगी है, लेकिन तुमने ब्राह्मण को निराश किया। वहीं, कर्ण ने एक बार फिर अपनी दानवीरता का परिचय दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें।

वृषभ शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

मकर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। समस्या दूर होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मीम्स और ट्रोलिंग पर दुखी हुईं दुआ लिपा

दुआ लिपा अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। उनके फैंस दुनियाभर में हैं। उन्हें सात बार ब्रिट पुरस्कार और तीन बार ग्रैमी पुरस्कार मिल चुके हैं। आज वह विश्व के उन चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने बहुत कम उम्र में सफलता के ऊंचे मुकाम पर हैं। उन्होंने हाल ही में मीम कल्चर और ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की है। हाल में ही दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने मीम्स कल्चर और ट्रोलिंग पर खुलकर अपनी राय शेयर की है। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया है। एक्ट्रेस ने कहा, लोग मेरे डांसिंग वीडियो से छोटी-छोटी क्लिप निकालकर उससे मीम्स बनाते हैं और तब, जब मैं सर्वश्रेष्ठ नवोदित कलाकार का ग्रैमी अवॉर्ड जीती हूं। वही लोग कहते थे कि मैं इस अवॉर्ड की हकदार नहीं थी, मुझे मंच पर खुद को पेश करना नहीं आता है, मैं सफलता संभाल नहीं पाउंगी।

उन्होंने कहा, इन सब से मुझे काफी परेशानी होती थी। मैं बहुत दुखी होती थी। मुझे बहुत अपमानजनक महसूस होता था। इस वजह से मैंने ट्विटर दिया। ये सब मैंने 2 साल तक झेला है। उन्होंने कहा कि वह अपने बिस्तर से उठ नहीं पाती थीं, उन्हें लगता थी कि लोग उनके बारे में क्या-क्या सोचते हैं। दुआ लिपा ने हाल में ही बतौर अभिनेत्री उन्होंने नई पारी शुरू की है। उन्होंने फिल्म बार्बी से फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया है। इसमें उन्होंने एक कैमियो किया है। वह फिल्म आर्गिल में ब्राइस डलास हॉवर्ड, सैम रॉकवेल, ब्रायन क्रैंस्टन, हैनरी कैविल आदि के साथ नजर आई थीं। इसके अलावा उन्होंने अपनी तीसरी स्टूडियो एल्बम रैडिकल ऑप्टिमिज्म भी रिलीज की है।

'पे पैरिटी' के गैप पर भड़कीं कृति सेनन

बॉलीवुड | मसाला

कृति सेनन ने इस साल की शुरआत बहुत शानदार तरीके से की। साल के शुरुआत में एक्ट्रेस शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आईं। फिल्म को दर्शकों की ओर से जबरदश्त रिस्पांस मिला। उसके बाद तब्बू और करीना कपूर खान संग कृति सेनन को फिल्म 'क्रू' में देखा गया। तीनों महिलाओं की इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई की। 'क्रू' ने देशभर के बॉक्स-ऑफिस पर 75 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है।

हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने बॉलीवुड में 'पे पैरिटी' पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में एक्टर और एक्ट्रेसेज की फीस में असमानता पर दो टूक अपनी राय रखी। वह कहती हैं, 'दोनों (एक्टर और एक्ट्रेस) की फीस में बिना किसी वजह के बहुत असमानता है। 10 साल में एक भी हिट न देने वाले एक्टर को भी 10 गुना ज्यादा फीस मिलती है'। कृति सेनन ने कहा कि फिल्म निर्माता फीस में इस असामनता को उचित समझते हैं। वह कहती हैं, 'बहुत बार फिल्म निर्माता कहते हैं रिकवरी। रिकवरी डिजिटल और सैटेलाइट के माध्यम से होती है, जो किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले होती है। डिजिटल और सैटेलाइट पर, पुरुष-केंद्रित फिल्में वास्तव में एक लड़की पर बनी फिल्म की तुलना में बहुत अच्छा प्रदर्शन करती हैं और मुझे लगता है कि असल में अंतर यहां पर है'। बातचीत में एक्ट्रेस ने आगे ये भी खुलासा किया कि प्रोड्यूसर्स क्रू में ज्यादा बजट लगाना नहीं चाहते हैं, जबकि उसमें तीन ए-लिस्टर्स एक्ट्रेसेज करीना कपूर खान, तब्बू और वह थीं, जबकि वो तीन मेल एक्टर्स की कॉमेडी फिल्म में उतना बजट लगाएंगे।

अभिनय के बाद अब राजनीति में भाग्य आजमायेंगे अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 : द रूल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, दूसरी ओर उनके राजनीतिक में प्रवेश करने की चर्चा तेजी से हो रही हैं। अल्लू अर्जुन ने हाल ही में अपने दोस्त और वाईएसआरसीपी विधायक उम्मीदवार रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने नंदयाला का दौरा किया था। वहीं, आज उन्होंने हैदराबाद के जुबली हिल्स में अपना वोट डाला। इस दौरान उन्होंने अपने राजनीतिक पारी खेलने के बारे में भी बात की।

दरअसल, अल्लू अर्जुन का नंदयाला का दौरा विधायक उमीदवार रवि चंद्र किशोर रेड्डी के लिए राजनीतिक तौर पर बहुत महत्व रखता है। हालांकि, इस कदम से पवन कल्याण के प्रशंसकों की ओर से नकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। अभिनेता पवन कल्याण आंध्र प्रदेश में चुनाव लड़ रहे हैं। जन सेना पार्टी प्रमुख उसी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार के रूप में खड़े हैं।

हैदराबाद के जुबली हिल्स में अभिनेता ने मीडिया को संबोधित करने से पहले अपना वोट डाला। उन्होंने यह साफ किया कि नंदयाला की उनकी यात्रा पूरी तरह से अपने मित्र की चुनाव में सफलता की कामना करने के लिए थी। जब सक्रिय राजनीति में उनके संभावित प्रवेश के बारे में सवाल किया गया तो अभिनेता ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और कहा, नहीं।

इसका मतलब साफ है कि फिलहाल राजनीति में प्रवेश करने की अल्लू अर्जुन की कोई योजना नहीं है। वे अपने फिल्मी करियर पर ही ध्यान देना चाहते हैं। वहीं बात करें अभिनेता की फिल्म के बारे में तो पुष्पा 2 : द रूल का दर्शकों को भी बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म का पहला गाना रिलीज किया गया था।

अजब-गजब | कब्रिस्तान के बगल में है यह भयानक मोटल ओल्ड टोनोपा

जोकरों से भरा है यह क्लाउन मोटल

दुनिया में डरावने घरों के बारे में आपने जरूर सुना होगा। अगर आपको इस तरह के घरों में या उनकी कहानियों में दिलचस्पी है तो आप को दुनिया के सबसे डरावने मोटल में जरूर रुचि होगी। अमेरिका के नेवादा के टोनोपा में क्लाउन मोटल, एक शिशु कब्रिस्तान के ठीक बगल में स्थित है और 2,000 से अधिक जोकर मूर्तियों के अद्भुत संग्रह का घर है।

इस रोचक मोटल में सभी आकृतियों और आकारों के 800 से अधिक जोकर हैं। इसमें छोटी मूर्तियों से लेकर आदमकद आकृतियों तक सब शामिल हैं, जो आपको कई दिनों तक बुरे सपने दे सकती हैं। इसका प्रवेश द्वार पर मेहमानों का स्वागत करने वाला एक विशाल जोकर है। यह भयानक मोटल ओल्ड टोनोपा कब्रिस्तान के बगल में है।

रेडिट यूजर्स के अनुसार, खौफनाक कब्रिस्तान शिशुओं की कब्रों और चांदी की खदान में मरने वाले श्रमिकों से भरा हुआ है। एक रेडिट यूजर ने कहा कि उसने जब क्लाउन मोटल का दौरा किया तो उसका अनुभव कैसा रहा। उसने बताया जब मैं वहां रुका तो क्लाउन मोटल के मालिक ने मुझे उस कमरे में मुफ्त में अपग्रेड किया। जहां वह जोकरों की पेंटिंग रखता है जिन्हें वह खुद बनाता है।

क्लाउन मोटल के निडर मालिक हेम आनंद ने थ्रिलिस्ट वेबसाइट पर दावा के साथ कहा है कि उन्होंने खुद असाधारण गतिविधि का अनुभव किया है, उन्होंने कहा, उन्हें लगा कि वे मुझसे कह रहे थे, 'हम यहां हैं, लेकिन इसके बारे में चिंता मत करो'। उन्होंने लास वेगास के पास मोटल खरीदने के बाद से 2,000 से अधिक जोकरों से जुड़ी यादगार वस्तुओं का संग्रह कर, अपने जुनून को एक खास आकर्षण में बदल दिया है।

पालतू कुत्ते की मौत से सदमे में ग्रामीण जीते जी नहीं होने दी एक भी चोरी

जानवरों और पशुओं से लोगों को इस कदर का लगाव हो जाता है कि उनकी मौत के बाद घर, गांव, शहर में भी मातम छा जाता है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में भी एक कालू नाम के कुत्ते की अचानक मौत होने से पूरा परिवार और पूरा गांव सदमे में है। 22 अप्रैल को अचानक उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद उसकी विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद 4 मई को 13वीं का कार्यक्रम हुआ। अब परिवार और गांव के लोग श्रद्धांजलि सभाएं भी रख रहे हैं। अभी तक कालू की मौत के बाद से तीन श्रद्धांजलि सभा हो चुकी है। परिवार आगे भी एक श्रद्धांजलि सभा करने की बात कर रहा है।

ऊमाले परिवार के पंकज प्रकाश ऊमाले ने बताया कि पिता प्रकाश ऊमाले मजदूरी का काम करते हैं। उन्होंने 10 साल पहले 30 दिन के इस कालू को गांव से बंजारा परिवारों के साथ जाते हुए देखा तो उन्हें अच्छा लगा। इसके बाद उसकी परवरिश की। 10 साल बाद उसकी अचानक मौत हो गई। कालू पूरे गांव में घूमता था। सभी लोग उसको प्यार करते थे। बच्चे गोली, बिस्कुट, चॉकलेट, दुध से लेकर रोटियां देते थे। कालू ने आज तक किसी को नहीं काटा। उसकी मौत से अब पूरे लोग सदमे में आ गए हैं। उसकी विधि विधान के साथ शवयात्रा निकाली उसको दफनाया गया। 13वीं का कार्यक्रम किया जिसमे पूरे गांव का भोज हुआ, अब श्रद्धांजलि सभा भी हो रही है। समाज गांव और परिवार ने मानवता का संदेश देने के लिए यह आयोजन किया। कालू रात के समय में जागता था। पूरे परिवार और गांव के लोग घरों में आराम से सोते थे। कालू का चोर और बदमाशों में इतना डर था कि चोर और बदमाश इस क्षेत्र में घुसते भी नहीं थे। आज तक एक भी चोरी की घटना नहीं हुई है। पंकज प्रकाश ऊमाले ने बताया कि 15 मई को गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शाम 7: 00 बजे रखा गया है। अभी तक तीन श्रद्धांजलि सभा हो चुकी है। कालू हमारे परिवार का सदस्य था इसलिए अब गांव के लोग और रिश्तेदार हमारे यहां पर बैठने के लिए भी आ रहे हैं।

चार जून का करिए इंतजार : राहुल

» बोले- मैंने नफरत के बीच मोहब्बत की दुकान खोली है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लालगंज, रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि कश्मीर से कन्या कुमारी तक पैदल यात्रा करके मैंने नफरत के बीच मोहब्बत की दुकान खोली थी। सुबह जब मैं रायबरेली पहुंचा तो देखा कि यहां तो लोगों मोहब्बत का शॉपिंग माल ही खोल दिया है। उन्होंने कहा बस आप लोग चार जून तक इंतजार और कर लीजिए। चीजें पूरी तरह से बदल जाएंगी। वह लालगंज के बैसवारा इंटर कॉलेज में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी चार सौ सीटें लाकर संविधान को बदल देना चाहते हैं। संविधान बदलने के बाद फिर आप लोग जानते हैं कि क्या होगा? देश में अडानी अंबानी की सरकार चलने लगेगी फिर वही होगा जो वह चाहेंगें लेकिन देश की जनता ऐसा होने नहीं देगी। यह चुनाव जनता का चुनाव है।

रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल गांधी ने चुनावी सभा के बीच अपने के लिए भी थोड़ा समय निकाला। लालगंज में चुनावी जनसभा के बाद वापस जाते समय कस्बे के बैसवारा डिग्री कालेज के सामने मिथुन सैलून में रुके। यहां पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बाल व दाढी की सेटिंग कराई। इसके बाद वह आगे निकल गए।

गरीबों की रक्षा के लिए लड़ रही कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी ने दस साल में 16 लाख करोड़ रुपया 22 अरबपतियों को दे दिया। यह पैसा 70 करोड़ लोगों की इनकम जितना है। यह लड़ाई गरीबों की रक्षा के लिए है। सरकार बनी तो हर महिला के खाते में प्रतिमाह 8500 रुपया भेजेंगे। हर माह की पहली तारीख को खटाखट पैसा खाते में गिरेगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं को बेरोजगार कर दिया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हर युवा को अप्रेंटिसशिप मिलेगी। इस तरह पहली नौकरी पक्की। पब्लिक सेक्टर हो या सरकारी विभाग सरकार बनते ही ठेकेदारी प्रथा बंद होगी।

अब जल्द करुंगा शादी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने बहन प्रियंका के साथ पहली बार संयुक्त रूप से जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जनता ने उनसे जानना चाहा कि शादी कब करेंगे...। शोर के बीच वह कुछ सुन नहीं पाए तो बहन प्रियंका ने बताया कि लोग पूछ रहे हैं कि शादी कब करोगे। इस पर राहुल हंस पड़े और बोले कि जल्द शादी कर लूंगा। मां सोनिया गांधी के राज्यसभा में निर्वाचित होने के बाद राहुल गांधी रायबरेली संसदीय क्षेत्र से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि

कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली में चुनाव प्रचार में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी दो माताएं हैं। एक सोनिया गांधी और दूसरी इंदिरा गांधी जिन्होंने मेरी रक्षा की है। मुझे सिखाया है।रायबरेली मेरी दोनों माताओं की कर्मभूमि है। इसलिए मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं। राहुल ने कहा कि रायबरेली से हमारे परिवार का रिश्ता 100 साल पुराना है। यह चुनाव इतिहास का पहला चुनाव है जिसमें संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस लड़ रही है। भाजपा और आरएसएस संविधान की किताब फाड़ डालेंगे और गरीबों के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। प्रधानमंत्री और भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि यह अडानी और अंबानी की सरकार बनाने जा रहे हैं। इन दो लोगों के लिए ही संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

टीएमसी के गुंडों ने की चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश : सुवेंदु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। इस बार 2019 और 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में भाजपा के पोलिंग एजेंट बढ़ गए हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत पर भरोसा जताते हुए सुवेंदु ने कहा कि राज्य में भी मोदी लहर देखने को मिलेगी और बीजेपी कई जगहों पर जीत हासिल करेगी। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में सोमवार को मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाएं सामने आने के बाद, पश्चिम बंगाल के नेता विपक्ष और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि इस घटना के पीछे टीएमसी के गुंडे थे।

चुनावों को प्रभावित किया लेकिन केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने हिंसा को रोक दिया। मोदी ने कहा है कि टीएमसी का दृष्टिकोण गुंडागर्दी और हिंसा का रहा है। वे भाजपा नेताओं के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज करते हैं। जिन क्षेत्रों में चुनावी हिंसा की सूचना मिली है, वे टीएमसी के गुंडों द्वारा आयोजित की गई हैं।

सभी नेताओं ने सुशील मोदी के निधन पर जताया शोक

» भाजपा में शोक की लहर पीएम मोदी, लालू-नीतीश ने लिखा मन का दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भजपा के दिग्गज नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का देर रात निधन हो गया। वे कैंसर से पीड़ित थे। आज शाम तक उनकी अंत्येष्टि की जाएगी। उनके निधन पर राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके असामयिक निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दु:ख जताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके साथ की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि पार्टी में अपने मूल्यवान सहयोगी और दशकों से मेरे मित्र रहे सुशील मोदी जी के असामयिक निधन से अत्यंत दुख हुआ है।

बिहार में भाजपा के उत्थान और उसकी सफलताओं के पीछे उनका अमूल्य योगदान रहा है। आपातकाल का पुरजोर विरोध करते हुए, उन्होंने छात्र राजनीति से अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। वे बेहद मेहनती और मिलनसार विधायक के रूप में जाने जाते थे। जीएसटी पारित होने में उनकी सक्रिय भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओम शांति!

वे एक जुझारू, सामाजिक और राजनीतिक व्यक्ति थे : लालू यादव

लालू प्रसाद यादव ने भी सुशील मोदी के सामायिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के समय यानि विगत 51-52 वर्षों से हमारे मित्र भाई सुशील मोदी के निधन का अति दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। वे एक जुझारू, समर्पित सामाजिक राजनीतिक व्यक्ति थे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को चिरशांति तथा परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

कांग्रेस देश के करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी : दिग्विजय

बोले- बीजेपी ने अरबपतियों को खरबपति बनाया

» पीएम मोदी पर पूर्व सीएम ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजगढ़। तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया एक बयान उन पर ही उल्टा पड़ता नजर आ रहा है। इसे लेकर कांग्रेस लगातार पीएम मोदी पर हमला बोल रही है और उनके इस बयान को उनकी हार का लक्षण बताया जा रहा है। पीएम मोदी के इस बयान पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी के बयान को उनकी हार की बौखलाहट बताया है।

आपको बता दें, कुछ दिनों पूर्व पीएम मोदी के द्वारा तेलंगाना राज्य में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा गया था कि पिछले पांच साल से कांग्रेस के शहजादे दिन-रात एक ही माला जपते थे अंबानी और अदाणी। लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है, इन्होंने अंबानी और

अदाणी को गाली देना बंद कर दिया है। मैं बस कांग्रेस के शहजादे से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अदाणी और अंबानी से कितना माल उठाया है। काले धन के बोरे भर के रुपये मारे हैं। कांग्रेस पार्टी को चुनाव के लिए उन उद्योगपतियों से कितना माल मिला है, क्या टेंपो भरकर माल पहुंचा है। वहीं, हाल ही में पीएम मोदी के इस बयान पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वीडियो जारी किया है, जिसमें दिग्विजय सिंह ने कहा है कि लगता है मोदी जी घबराए हुए हैं, जिस प्रकार से वे अपने भाषणों में अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं।

पहले अपना मैथ ठीक कर आंकड़ों का जोड़-घटाव सीख लें जयराम ठाकुर : सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नेता विपक्ष जयराम ठाकुर अपना मैथ ठीक कर आंकड़ों का जोड़-घटाव सीख लें। 62 सदस्यों वाली विधानसभा में अभी कांग्रेस के 34 सदस्य हैं। सरकार के पास बहुमत का आंकड़ा है। 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। आने वाले समय में तीन निर्दलीय विधायकों की सीटों पर भी चुनाव होगा। सोमवार को शिमला संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी के नामांकन के बाद चौड़ा मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार की साढ़े तीन साल और फिल्म चलेगी। 2027 में इसका पार्ट टू आएगा। हम ब्रिफकेस वाले नहीं, जनबल वाले हैं। चौड़ा मैदान में हुई जनसभा में मुख्यमंत्री सुक्खू भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अब जनता की अदालत में एक जून को मतदाता लोकतंत्र के भविष्य और देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करने के लिए मतदान करेंगे। भाजपा ने जनता की भावनाओं का सौदा किया है। भाजपा की करतूत से एक बार फिर 6 विधानसभा सीटों पर जनता की अदालत में जाना पड़ रहा है। भाजपा को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ेगी।

बारिश ने धोईं गुजरात की उम्मीदें, प्लेऑफ से बाहर

» केकेआर से मुकाबला बिना गेंद फेंके हुआ रद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 सीजन अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा है। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है और 13 मैचों के बाद 19 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच सोमवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और मैच में टॉस भी नहीं हो सका। बारिश के कारण इस मैच को रद्द किया गया जिससे दोनों टीमों ने एक-एक बांटे।

इस तरह गुजरात की टीम आधिकारिक रूप से प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। राजस्थान की टीम भले ही आधिकारिक रूप से प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं कर सकी है, लेकिन उसके लिए आगे की राह कठिन नहीं है। राजस्थान ने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की थी और पहले नौ में से आठ मैच जीते थे। ऐसा लग रहा था कि टीम आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएगी, लेकिन उसने पिछले तीन मैच गंवा दिए और वह फिलहाल 12 मैचों में आठ जीत और चार हार के साथ 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। राजस्थान का नेट रन रेट भी +0.349 का है। राजस्थान के दो मैच शेष हैं, अगर टीम एक मैच भी जीतने में सफल रही तो प्लेऑफ में पहुंच जाएगी, लेकिन टीम को दोनों मैचों में हार मिली तो उसे अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। हालांकि, इस स्थिति में भी राजस्थान के लिए प्लेऑफ में पहुंचना कोई दूर की कौड़ी नहीं होगी क्योंकि चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपरजाएंट्स ही ऐसी टीम है जो 16 अंकों तक पहुंच सकती हैं।

दो स्थान के लिए पांच टीमों के बीच मुकाबला

केकेआर पहले ही शीर्ष-दो में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी है, जबकि मौजूदा स्थिति में राजस्थान भी प्लेऑफ में पहुंचने के करीब है। ऐसे में अब शेष दो स्थानों के लिए सीएसके, हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाएंट्स के बीच मुकाबला रह गया है। मंगलवार को दिल्ली और लखनऊ के बीच मैच होना है और जो टीम जीतेगी वो प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहेगी, जबकि हारने वाली टीम के लिए आगे के दरवाजे लगभग बंद हो जाएंगे। दूसरी ओर, आरसीबी ने खराब शुरुआत से वापसी की है। लगातार छह मैच हारने वाली आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच जीते हैं और तालिका में पांचवें स्थान पर मौजूद है। गत चैंपियन सीएसके भी 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर मौजूद है।

सीएम योगी की नीति का बृजभूषण ने किया विरोध, कहा-

घर मुश्किल से बनता है बुलडोजर चलाना ठीक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। लोकसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह का एक ऐसा बयान सामने आया है, जिसे लेक कयासों का दौर शुरू हो गया है। बीजेपी सांसद ने सीएम योगी की बुलडोजर नीति का विरोध किया है। अपने बेटे के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए बृजभूषण ने कहा कि वो बुलडोज़र नीति के विरोधी हैं। घर बड़ी मुश्किल से बनता है।

बृजभूषण शरण सिंह ने कैसरगंज में अपने बेटे और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी करण भूषण सिंह के समर्थन मोहम्मदपुर में हुई एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं, इसी दौरान उनके ये तेवर देखने को मिले। बीजेपी सांसद ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, मैंने सार्वजनिक मंच से बोला था बुलडोजर नीति का मैं विरोधी हूं। याद होगा गोरखपुर का एक प्रकरण था, मुझसे पूछा गया था...हमने कहा, बुलडोजर नीति का मैं विरोधी हूं। उन्होंने कहा, घर बड़ी मुश्किल से मिलता है. मेरे भाईयों बृजभूषण शरण सिंह एक ऐसा व्यक्ति हैं जो आपके दुख और दर्द को समझता है। इसीलिए मैंने कहा था घर बड़ी मुश्किल से बनता है और इसी बात की नाराजगी मैं झेल रहा हूं, लेकिन कोई बात नहीं, मैं विरोध करता रहूंगा, बीजेपी सांसद ने आगे कहा, सच्चाइयों के गीत गाना बगावत है तो मैं भी एक बागी हूं, मेरा मजहब बगावत है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट दिया हैं, उनकी जगह बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज से उम्मीदवार बनाया है। जिसके बाद बृजभूषण लगातार अपने बेटे के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हालांकि वो खुद इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए अड़े थे लेकिन महिला पहलवानों के आरोपों के बाद हाईकमान ने उनका टिकट काट दिया है। वहीं दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले में उनके खिलाफ आरोप भी तय हो गए हैं।

मुंबई में होर्डिंग गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

» 43 घायलों का चल रहा इलाज, एक की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आंधी-तूफान की वजह से मुंबई के घाटकोपर में एक 100 फीट लंबा होर्डिंग ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। बृहन्मुंबई नगर निगम के मुताबिक, 43 घायलों का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जबकि 31 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

एक अधिकारी का कहना है कि यह हादसा जिमखाना के पास सोमवार की शाम साढ़े बजे के करीब हुआ। मौके पर तुरंत राहत पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दमकल और पुलिस की टीम को भेजा गया। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव कार्य के दौरान क्रेन और गैस कटर का इस्तेमाल किया गया है। घाटकोपर में हुए हादसे के मामले में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा रेलवे और विज्ञापन कंपनी इगो मीडिया के खिलाफ मामला दर्ज कराया जाएगा। बीएमसी का कहना है कि रेलवे और विज्ञापन कंपनी के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। उधर सेंट्रल रेलवे के अधिकारी स्वप्निल नीला का कहना है कि जिस जमीन पर होर्डिंग लगाई गई थी, वह जमीन सेंट्रल रेलवे की नहीं बल्कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की है।

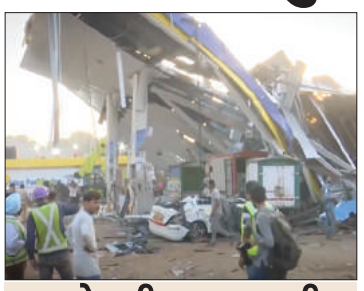

हादसे की उच्च स्तरीय जांच होगी : फडणवीस

घाटकोपर में हुए हादसे के बाद महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के मुलुंद क्षेत्र में होने वाली अपनी चुनावी रैली को रद्द कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

एल्गार परिषद मामले में गौतम नवलखा को मिली बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एल्गार परिषद-माओवाद संबंध मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गौतम नवलखा को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मंगलवार (14 मई, 2024) को नवलखा को जमानत दे दी है। कोर्ट ने गौतम नवलखा की जमानत पर लगी बंबई हाईकोर्ट की रोक को बढ़ाने से इनकार किया।

सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

साथ ही नवलखा को नजरबंदी के दौरान सुरक्षा खर्च के तौर पर 20 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। गौतम नवलखा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उनकी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए नवंबर 2022 से घर में नजरबंद कर दिया गया है। दरअसल, नवलखा और अन्य लोगों को 1 जनवरी, 2018 को महाराष्ट्र के पुणे के पास भीमा कोरेगांव स्मारक पर जातीय दंगे भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

चौथे चरण में 67.25 प्रतिशत हुआ मतदान

» चुनाव आयोग ने कहा- ये अनंतिम आंकड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत सोमवार को मतदान में पिछले चरणों की तुलना में तेजी दिखी और 10 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश के 96 निर्वाचन क्षेत्रों में 67 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा साझा किये गये मतदान के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

आयोग के मुताबिक, रात पौने 12 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार 67.25 प्रतिशत मतदान हुआ जो 2019 के संसदीय चुनावों में इस चरण की तुलना में 1.74 प्रतिशत अधिक है। आयोग ने एक बयान में कहा कि ये ''अनंतिम'' आंकड़े हैं और इन्हें अद्यतन किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के बाद 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 379 सीट पर अब तक मतदान पूरा हो चुका है। आंध्र प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों के लिए भी मतदान पूरा हो चुका है। मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 66.14 प्रतिशत, दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ और तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान हुआ था। चौथे चरण के मतदान में आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुईं।

बंगाल में एक बार फिर शानदार 78.44 प्रतिशत मतदान दर्ज

पश्चिम बंगाल में एक बार फिर शानदार 78.44 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जो इस चरण में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सबसे ज्यादा है। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 78.25 प्रतिशत और ओडिशा में 73.97 प्रतिशत मतदान हुआ। संविधान का अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में पहले लोकसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर निर्वाचन क्षेत्र में 37.98 प्रतिशत मतदान हुआ और निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह 'दशकों में सबसे अधिक मतदान' है।

एम्बुलेंस में आग लगने से मरीज की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के कोझिकोड जिले में मंगलवार की सुबह एक एंबुलेंस बिजली के खंभे से टकरा गई जिसके बाद उसमें आग लग गई और एक महिला मरीज की जल कर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब सुलोचना (57) नामक महिला मरीज को आपातकालीन सर्जरी के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक निजी अस्पताल में ले जाया जा रहा था।

उसने कहा कि तेज रफ्तार से जा रही एंबुलेंस नियंत्रण खोने के बाद फिसल गई और सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे उसमें आग लग गई। वाहन में महिला मरीज और चालक के अलावा दो व्यक्ति, एक चिकित्सक एवं एक नर्स भी थी। वे बाल-बाल बच गए और उन्हें मामूली चोटें आईं लेकिन महिला मरीज वाहन में फंस गई जिससे जलकर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बचाए गए लोगों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

दिल्ली के चार अस्पतालों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने धमकी भरे मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजधानी के चार अस्पतालों में पुलिस टीमें भेजी गई हैं। दिल्ली पुलिस ने इस धमकी को अफवाह बताया। दिल्ली के चार अस्पतालों- दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल-को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा ने कहा कि फिलहाल तलाशी अभियान चल रहा है। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने धमकी भरे मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजधानी के चार अस्पतालों में पुलिस टीमें भेजी गई हैं। रविवार को दिल्ली के 10 अस्पतालों और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली पुलिस ने इस धमकी को अफवाह बताया। 1 मई को दिल्ली-एनसीआर के 150 से ज्यादा स्कूलों को बम की धमकी दी गई थी, जो बाद में अफवाह निकली।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।